Poor response to P S 2U disinvestment

3410. SHRIMATI KAMLA SINHA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the second round of public sector disinvestment in the financial year 1994-1995 has attracted poor response;

(b) if so, what is the percentage of fall in the bids as compared to the first round of disinvestment of Public Sector Units;

(c) what are the main causes attributed to the poor response to the disinvestment of PSUs; and

(d) the manner in which Government propose to move in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKARA MURTHY): (a) to (c) While the first round of disinvestment in Oct, 94 had attracted 3212 bids of which 514 bids (16%) had been accepted, in the 2nd round held in Jan 95, there were 556 valid bids out of which 209 (37%) had emerged successful. While Govt. mobilised a total amount of Rs. 2239 Crores in the Ist round, the mobilisation was Rs. 388 Crores (provisional) in the 2nd round. The nature of PSEs offered for disinvestment and the number of shares offered were also not uniform in both the rounds.

(d) The Government is examining a number of proposals including disinvestment through fixed price public offers during the current year.

बजट प्रस्तावों का पहले से पता लग जाना

3411. **श्री जनेश्वर मिश्र** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बजट प्रस्तावों का संसद में रखे जाने से पूर्व ही पता लग रहा है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इनका समय पूर्व पता लग जाने को रोकने और इसके जिम्मेदार व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के लिए क्या उपाय किए हैं ; और

(ग) इस संबंध में तथ्य संबंधी ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) जी, हां ।

(ख) प्रस्तावों के समय पूर्व पता लग जाने को रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जाते हैं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

मुद्रा परिचालन मे वृद्धि

3412. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में वर्ष 1993-94 की तुलना में वर्ष 1994-95 के दौरान मुद्रा परिचालन में वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1993-94 और 1994-95 के दौरान अलग-अलग तौर पर देश में जनसाधारण के बीच परिचालन के लिए कुल कितनी-कितनी मात्रा मे मुद्रा उपलब्ध थी ;

(ग) क्या यह भी सच है कि गत कुछ वर्षों के दौरान मुद्रा की मात्रा में निरंतर वृद्धि होती रही है ;

(घ) यदि हां, तो वर्ष 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान क्रमशः आम परिचालन के लिए कितनी-कितनी मात्रा में मुद्रा उपलब्ध थी और पूर्व वर्ष की तुलना में इस राशि में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई ; और

(ङ) इन वर्षों के दौरान निरंतर होने वाली इस वृद्धि के क्या कारण हैं ?